Publication : Vidarbha Pukar **Date : Thursday, 24th October, 2013**
Edition : Nagpur

इण्डिया फर्स्ट हुआ ग्रीन

मुम्बई। देश की सबसे तेज़ी से विकसित हो रही जीवन बीमा कम्पनियों में से एक, इण्डिया फर्स्ट लाइफ अब अपनी सभी पॉलिसियों को डीमैट प्रारूप में उपलब्ध कराएगी। इंष्योरेंस रिपॉजिटरी अपने पॉलिसी होल्डर्स को एक नई सुविधा उपलब्ध कराएगी, जिसके तहत पॉलिसी होल्डर अपनी पॉलिसी को इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में रख सकेंगे, साथ ही इनमें किसी भी तरह का बदलाव करने के लिए एक ही प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। यह घोषणा इण्डिया फर्स्ट लाइफ के एमडी एवं सीईओ डॉ. पी. नन्दगोपाल के द्वारा की गई।

उन्होंने कहा, 'इण्डिंया फर्स्ट में हम हमेशा से अपने उपभोक्ताओं को बेहतर, प्रभावी एवं पारदर्शी उत्पाद तथा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते रहे हैं। हमारा यह कदम इसी दिषा में एक और प्रयास है, जो निश्चित रूप से उपभोक्ताओं की सुविधा को बढ़ाएगा। जीवन बीमा एक ऐसा प्रोडक्ट है ज़िसे आप लम्बे समय के लिए खरीदते हैं। जीवन बीमा कम्पनियां व्यक्ति के जीवन की विभिन्न अवस्थाओं के अनुसार अलग अलग उत्पाद पेश करती हैं, इनमें संरक्षण से लेकर बचत तक कई तरह के प्रोडक्ट षामिल हैं। ऐसे में पॉलिसियों को डीमैट प्रारूप में उपलब्ध कराना निश्चित रूप से उपभोक्ताओं के लिए फायदेमन्द होगा। इससे उपभोक्ता एक ही प्लेटफॉर्म पर रियल टाईम आधार पर अपने इन्श्योरेन्स पोर्टफोलियो को ट्रैक कर सकेंगे। जीवन बीमा पॉलिसियां एकमात्र प्रमुख रीटेल वित्तीय उत्पाद हैं, जिन्हें आज भी पेपर फॉर्मेट में ही जारी किया जाता है। भारत सम्भवतया पहला देंश है जहाँ बीमा पॉलिसी सेर्टिफिकेट के पेपर फॉर्मेट को बदलकर इलेक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में प्रस्तुत करने की यह पहल की जा रही है। अधिक जानकारी के लिए आप १८०० २०९ ७८०० पर फोन करके इण्डिया फर्स्ट के प्रतिनिधि से भी सम्पर्क कर सकते हैं।